



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1:
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 90]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 17, 1993/वैशाख 27, 1915

No. 90]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 17, 1993/VAISAKHA 27, 1915

इस भाग में भिन्न एक संख्या की जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना सं. 20-ई टी सी (पी एन)/92-97

नई दिल्ली, 17 मई, 1993

विषय:—विशेष रूप से आयातित सागवान के लट्टों से बनी चिरी हुई
हमरती लकड़ी का निर्यात।

का. सं. 81(82)/92-ई-2-वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. 19 दिनांक 17-5-1993 को ओर ध्यान दिलाया जाता है जिसके अनुसार निर्यात-आयात नीति, 1992-97 (संशोधित संस्करण/मार्च, 1993) के अध्याय 16-निर्यात की निषेधात्मक सूची, भाग-1, पैरा-ग्रफ-158-निषिद्ध मर्चे- में क्रम सं. 7 पर दी गई प्रविष्टि को "विशेष रूप से आयातित सागवान के लट्टों/हमरती लकड़ी से बनी चिरी हुई हमरती लकड़ी को छोड़कर लट्टों, टिम्बर, स्टम्प, जड़ें, छाल, विश्व पाउडर, फ्लेक्स, डस्ट, पल्प और चारकोल के रूप में लकड़ी और लकड़ी के उत्पाद बशर्ते कि इसके लिए शर्तें विनिर्दिष्ट हों।" के रूप में पढ़ने के लिए संशोधित किया गया है।

2. निम्नलिखित प्रविष्टि वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 15-ई टी सी (पी एन)/92-97 दिनांक 31 मार्च, 1993 के उपाबंध

1. क्रम सं. 35 के रूप में जोड़ी जाएगी जिसमें विनिर्दिष्ट की गई शर्तों के निर्यात की शर्तें शामिल हैं:--

क्रम सं. मद निम्नलिखित शर्तों के पुरा करने/दस्तावेज प्रस्तुत करने पर अनुमित निर्यात

1	2	3
"35	विशेष रूप से आयातित सागवान के लट्टों/टिम्बर से बनी, चिरी हुई हमरती लकड़ी।	(1) निर्यात उन्हीं प्रजातियों का होगा जिनका आयात किया गया हो; (2) आयातक और निर्यातक एक ही पार्टी/फर्म होगी और आयात तथा निर्यात एक ही पत्तन से करना होगा। यह स्कीम केवल बम्बई, कलकत्ता, मद्रास, विशाखापट्टनम तथा कान्द्रवा के पत्तनों से ही क्रियाशील होगी;

1

2

- (3) आयातित लट्टों से तैयार किए गए बिरे हुए उत्पादों का निर्यात मात्रा की शर्तों के अनुसार आयात के 60% से अधिक नहीं होगा।
- (4) ऐसे निर्यातों का मूल्य संबंधित 30% से कम नहीं होगा।
- (5) निर्यातक विराई करने का भिन्न जहां आयातित इमारती लकड़ी खोरी जायेगी वह राज्य के वन विभाग के पास पंजीकृत होगा और वह राज्य सरकार के वन संचालक द्वारा स्वीकृत वन क्षेत्र से दूर स्थान पर स्थापित होगा।
- (6) निर्यातक को आयात की तारीख से 6 महीनों की अवधि के अन्दर निर्यात अवकाश प्राप्त होगा।
- (7) निर्यात संविदाएं रसायनों के सम्बद्ध उत्पाद निर्यात संबंधित परिवहन (केपिटल) के पास पंजीकृत होंगी जो यह सुनिश्चित करने के लिए उन पर निगरानी रखी जायेगी कि स्कीम का दुरुपयोग न हो रहा है।
- (8) निर्यातकों को केन्द्रीय सरकार और संबंधित राज्य सरकार द्वारा इम्पोर्टेड लकड़ी के पारामर्श के लिए क्वॉट्स एवं कानूनों और नियमों का पालन करना होगा।

3 इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

सी. के. मोदी, महानिदेशक निदेश संचालक

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE No. 20—ETC(PN)/92-97

New Delhi, the 17th May, 1993

Subject: Export of Sawn Timber made exclusively out of imported teak logs.

F.No.61(82)/92-E-II.—Attention is invited to the Ministry of Commerce Notification No. 19-ETC(RE) 92-97 dated 17th May, 1993 according to which the entry appearing at S.No. 7 in Chapter XVI—Negative List of Exports, Part I, Paragraph 158-Prohibited items, of the Export and Import Policy, 1992-97 (Revised Edition; March 1993), has been amended to read as “Wood and wood products in the form of

logs, timber, stumps, roots, barks, chips, powder, flakes, dust, pulp and charcoal except sawn timber made exclusively out of imported teak logs/timber subject to conditions as may be specified.”

2. The following entry shall be added as Sl. No. 35 in the Annexure to the Ministry of Commerce Public Notice No. 15-ETC(PN)/92-97 dated 31st March, 1993 containing the terms and conditions of export of the items specified therein:—

S. No.	Item	Export allowed on the fulfilment of following conditions/production of documents
1	2	3
35.	Sawn Timber made exclusively out of imported teak logs/timber.	<p>(i) The export would be confined to the species which has been imported;</p> <p>(ii) The importer and exporter will be the same party/firm and the import and export will have to be effected from the same port. The scheme will be operational only from the ports of Bombay, Calcutta, Madras, Visakhapatnam and Kandla;</p> <p>(iii) The export of sawn products derived from imported logs shall not exceed 60% of the imports in volume terms;</p> <p>(iv) The value addition of such exports shall not be less than 30%.</p> <p>(v) The Saw Mill of the exporter, where imported timber is sawn shall be registered with the State Forest Department and shall be located away from the forest area in a location approved by the Conservator of Forests of the State Government;</p>

1	2	3	1	2	3
		(vi) The exporter must undertake exports within a period of 6 months from the date of import;			monitor them to ensure that the scheme is not abused.
		(vii) The export contracts shall be registered with the Chemicals and Allied Products Export Promotion Council (CAPEXIL) who will			(viii) The laws and rules framed by the Central Government and the State Government concerned to regulate timber in transit shall be followed by the exporters."

This issues in public interest.

.K. MODI, Director General of Foreign Trade

